नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र

वीर बहादुर सिंह पूर्वाञ्चल विश्वविद्यालय, जौनपुर

उत्तर प्रदेश शासन के पत्र (पत्रांक संख्या : 707/सत्तर-3-2023) दिनाँक 15.03.2023 के अनुपालन में नार्को को-आर्डिनेशन मैकेनिज़्म सेंटर के क्रियान्वयन हेतु दिनाँक 16.03.2023 को मा० कुलपति जी के आदेश के क्रम में युवाओं एवं छात्रों में द्रव्य पदार्थों के सेवन एवं लत से छुटकारा पाने हेतु विश्वविद्यालय परिसर में Drug Addiction and Rehabilitation Centre स्थापित किए जाने की घोषणा की गयी। केंद्र अभी अस्थायी तौर पर व्यावहारिक मनोविज्ञान विभाग में कार्य कर रहा हैं। नार्को कोआर्डिनेशन मैकेनिज़्म सेंटर के क्रियान्वयन में विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों की प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु मा० कुलपति जी के आदेश दिनाँक 16.03.2023 को व्यावहारीक मनोविज्ञान के सहायक आचार्य एवं सहायक छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय को नोडल आफिसर (एंटीनारकोटिक्स ड्रग एवं एडिक्सन) नामित किया गया गया है।

इस सेंटर का कार्य निम्नवत कार्य संपादित होता है :

i. संचार के विभिन्न माध्यमों से छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों, अभिभावकों इत्यादि को विभिन्न तरह के ड्रग्स के हमारे शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्परिणाम से जागरूक करना है तथा ऐसे दुष्परिणाम से प्रभावित लोगों प्राथमिक उपचार तथा पुनर्वास में मदद करना है।

ii. इस क्षेत्र में कार्य कर रही विभिन्न सरकारी/गैरसरकारी संस्थाओं तथा लोगों के सहयोग से जन-2 तक पहुँच कर लोगों को जागरूक करना है।

iii. विश्वविद्यालय, जौनपुर जिले के समाज कल्याण, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के साथ मिल कर कार्य करने के लिए तैयार है, जिसमें विश्वविद्यालय विभिन्न तरह के जागरूकता कार्यक्रम, कार्यशालाओं, मनोवैज्ञानिक परामर्श सुविधा इत्यादि के माध्यम से जन-जन को जागरूक करना।

iv. विश्वविद्यालय ऐसी संस्थायें जो इस क्षेत्र में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है, के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर उनके सहयोग से इस क्षेत्र मे प्रभावी कार्य करना।

v. विश्वविद्यालय अपने छात्रों एवं शोधार्थी को मादक पदार्थों एवं द्रव्यों के नशे के दुष्परिणाम एवं प्रभावी रोकथाम हेतु शोध, शिक्षण एवं प्रशिक्षण को बढ़ावा देना।

vi. विश्वविद्यालय अपने छात्रों एवं अन्य गैर सरकारी सामाजिक संगठनों में कार्य कर रहे लोगों के लिए लघु और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों को प्रारभ करेगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग प्रशिक्षण प्राप्त कर पाये, इस संदर्भ में विश्वविद्यालय परिसर में लघु पाठ्यक्रम/सर्टिफिकेट प्रोग्राम को प्रारंभ करने की तैयारी की जा रही है।

vii. इस संबंध में विश्वविद्यालय परिसर स्थित Drug Addiction and Rehabilitation Centre के माध्यम से विभिन्न विभागों के संयुक्त तत्वावधान में इस क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न संस्थाओं (जैसे Narcotics Control Bureau), पेशेवर लोगों, NGOs इत्यादि के सहयोग से छात्रों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं स्थानीय लोगों को जागरूक करने हेतु समय-2 पर विभिन्न कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना।

viii. इस संबंध में नोडल अधिकारी डॉ० मनोज कुमार पाण्डेय द्वारा दिनाँक 16.03.2023 को विश्वविद्यालय परिसर स्थित संकाय भवन के कॉनफेरेंस हाल में व्यावहारिक मनोविज्ञान विज्ञान विभाग एवं छात्र अधिष्ठाता कल्याण कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों में विभिन्न तरह के द्रव्य पदार्थों के सेवन एवं व्यसन से रोकथाम करने एवं लोगों को जागरूक करने के लिए **'SUBSTANCE/DRUG ABUSE AND ADDICTION': Action towards Addiction to Deaddiction** विषय पर चर्चा एवं परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। [समाचार में प्रकाशित (https://hindisamaachar.com/full-story/33201/sabastainsa-draga-ebyuja-enda-edikasanah-eksana-tuvardasa-ediksana-tu-didikesana-visaya-para-hui-carca)]

ix. विगत वर्ष 12 जून, 2023 से 27 जून, 2023 तक जन-जागरूकता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

x. विगत वर्ष ही 26 सितंबर, 2023 से 02 ऑक्टूबर, 2023 तक जन-जागरूकता सप्ताह मनाया गया।